Diploma in Karmakand : Vaidika Paurohitya

Ist Semester (प्रथम सेमेस्टर)

नैमित्तिक कर्म

DVP-C102

[Total Marks : 100 = External 70+ Internal 30]

नोट- यह प्रश्नपत्र पाँच यूनिटों में विभक्त है। जिनमें से लघु और दीर्घ उत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे।

इकाई (Unit)-I	व्यक्तिगत नैमित्तिक प्रसंग- जन्मदिन, विवाहतिथि(विभिन्न संस्कृतियों की परम्परा के साथ)।
इकाई (Unit)-II	सामाजिक पर्व- श्रावणी, दीपवली, होली, मकर-संक्रान्ति, नववर्ष।
इकाई (Unit)-III	सांस्कृतिक-ऐतिहासिक पर्व- रामनवमी, कृष्णजन्माष्टमी,बैशाखी, ज्ञानपञ्चमी ।
इकाई (Unit)-IV	प्रासंगिक एवं काम्यकर्म- व्यापार आरम्भ, वाग्दान, विद्यारम्भ(स्कूल प्रवेश), वाहन-स्वागत, पुत्रकामेष्टि, शालाकर्म (शिलान्यास, भूमिपूजन आदि)।
इकाई (Unit)-V	नैमित्तिक कर्मों की सांस्कृतिक पृष्ठभूमि (संक्षेप में)

सहायक ग्रन्थ-

- **पञ्चमहायज्ञविधि - स्वामी दयानन्द सरस्वती , परोपकरिणी सभा अजमेर, राजस्थान।**
- **पर्वचन्द्रिका- आचार्य प्रेमभिक्षु, सत्यप्रकाशन, मथुरा उ.प्र. ।**
- **कर्मठगुरु – मुकुन्दवल्लभ , मोतीलाल बनारसीदास दिल्ली।**
- **धर्मशास्त्र का इतिहास- पी.वी. काणे, उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान लखनऊ, उ.प्र.।**
- **क्यों? – माधवाचार्य एवं श्रीकण्ठशास्त्री , माधव विद्याभवन दिल्ली।**